वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-253 सागवाड़ा,सोमवार,30 मई, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

विधायक घोघरा के विरोध ने खोड़निया विरोधियों के लिये संजीवनी का काम किया

कांग्रेस की कलह - हाथ से निकल गई राज्यसभा सीट

डूंगरपुर। राजस्थान में राज्यसभा उम्मीदवारो की घोषणा होते ही सबकी जुबान पर कमोबेश इसी तरह के भाव थे यह क्या हुआ। सभी बाहर से, राज्य से कोई नेता नही मिला। इस बार भी कार्यकर्ताओं की नहीं आलाकमान की सुनवाई हुई। वागड़ को भी मायूसी हाथ लगी। डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा का विरोध दिनेश खोड़निया के विरोधियों के लिये संजीवनी का काम किया। सोमवार को जब राज्यसभा उम्मीदवार बनने के लिए मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला और प्रमोद तिवारी तीनों जयपुर पहुंचे तब अजीब हाल थे। पत्रकारों ने जब पूछा कि साहब आप को टिकट मिला है क्या सोचकर मिला है। साहब ने कहा कि अभी बात करने का मौका नहीं है हम कांग्रेस आलाकमान को धन्यवाद देते हैं आपसे बाद में बात करेंगे। बार-बार पूछा कि राजस्थान के लोगों को टिकट नहीं मिला। उन्होंने कहा कि राजस्थान रणबाकुरो की धरती है इसलिए कोई दिक्कत नहीं है कोई समस्या नहीं है यहां पर सब अपने हैं। अच्छी बात है सब अपने हैं मगर अपनों का खेल हुआ कैसे ये कोई बता नहीं रहा।

राजस्थान की जनता जानना चाहती है कि पर्दे के पीछे यह कौन सा खेल हुआ है जहां से जादूगर ने उम्मीदवार निकालकर राजस्थान की जनता के सामने दिखा दिया है। किसके किसके नाम चल रहे थे कहां कहां से नाम चल रहे थे और कौन-कौन आ गया अब कह रहे हैं कि कांग्रेस आलाकमान ने घर में ही उम्मीदवार बाट लिए। रणदीप सिंह सुरजेवाला तो राहुल गांधी को द्वार प्रमोद तिवारी प्रियंका गांधी के द्वार और मुकुल वासनिक सोनिया गांधी के उम्मीदवार हैं ।

हम नहीं तुम सही.... राज्यसभा उम्मीदवारों के साथ दिनेश खोड़निया मुकुल वासनिक से गले मिलते हुए। साथ में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत।

जिस तरह से दिनेश खोड़निया को भेजा जा रहा था, ताराचंद भगोरा जा रहे थे, कभी रघुवीर मीणा जा रहे थे, कभी भंवर जितेंद्र सिंह के लिए टीकाराम जूली जा रहे थे रफीक मंडेलिया से लेकर लंबी लाइन थी यहां पर जो टिकट के लिए घूम रहे थे लेकिन आपस की लड़ाई में फायदा कोई और ले गया।

सचिन पायलट और अशोक गहलोत लड़े, सबके अपने अपने उम्मीदवार थे, कांग्रेस आलाकमान ने कहा कि ये सबसे बढ़िया मौका है और उन्होंने अपने उम्मीदवार उतार दिये। अब राज्यसभा चुनाव के बाद जिस तरह से कांग्रेस आलाकमान ने अपनी धाक दिखाई है कोई राजस्थान में परिवर्तन होगा क्या? राजस्थान की जनता जानना चाहती है कि कांग्रेस को आठ करोड़ की आबादी वाले राजस्थान में कोई नहीं मिला। चिंतन शिविर के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत काफी मजबूत होकर उभरे हैं क्योंकि इन्होंने बहुत पैसा खर्च किया है उदयपुर में कांग्रेस के नेताओं के चिंतन मंथन पर उसके बाद जो नतीजे आए हैं वह नतीजे संतोषजनक नहीं है। राज्यसभा चुनाव एंड नहीं है एक शुरुआत है सचिन पायलट अशोक गहलोत के बीच 2 साल पहले जो हुआ था उसकी एक शुरुआत। आप मान कर बैठे मान कर चलिए यहां से एक शुरू होने जा रहा है क्योंकि अभी राज्यसभा चुनाव लड़ाई नहीं है चुनाव तो शुरुआत है असली यह है कि राजस्थान की गद्दी पर कौन बैठेगा

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में बिजली निगम के गौदाम के सिक्योरिटी गार्ड की मौत

डूंगरपुर। जिले के सदर थाना क्षेत्र में डूंगरपुर-दोवड़ा मार्ग पर आरटीओ ऑफिस के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक तिजवड बिजली निगम गोदाम का सिक्योरिटी गार्ड था। सिक्योरिटी गार्ड कल रात के समय ड्यूटी पर आने निकला था। आज सुबह लाश मिलने से सनसनी फेल गई। डूंगरपुर जिले के सदर थानाधिकारी हजारीलाल मीणा ने बताया की नाथू (58) पुत्र पेमा रोत निवासी मांडवा खापरडा बिजली निगम के तीजवड स्थित गोदाम का सिक्योरिटी गार्ड है। कल रविवार रात 8 बजे से उसकी ड्यूटी थी। इसलिए वह साढ़े 7 बजे घर से ड्यूटी के लिए निकल गया। लेकिन वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचा। लेकिन घर के लोगो ने भी नाथू के ड्यूटी पर जाने का समझकर पता नही किया। आज सोमवार सुबह डूंगरपुर से आसपुर रोड़ पर जा रहे कुछ लोगो ने बिजली निगम गोदाम के पास ही पुल के नीचे झाड़ियों के पास एक बाइक पड़ी हुई देखी। उसी बाइक के पास झाड़ियों में एक व्यक्ति का शव भी पड़ा हुआ था। घटना का पता लगते ही आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। सदर थानाधिकारी हजारीलाल मय टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली बाइक पूरी तरह से टूट गई थी। इसके बाद मांडवा खापरडा गांव के ही दिनेश रोत ने शव की पहचान नाथू रोत के रूप में की।

रात को घर से ड्यूटी के लिए निकला था, सुबह मिली लाश

काम दिया मैदान समतलीकरण, ठेकेदार ने बना दी खदान

पुनर्वास कालोनी गर्ल्स स्कूल से क्वार्ट्ज पत्थर निकाले, ब्लास्टिंग भी की

सागवाड़ा। शहर के पुनर्वास कालोनी स्कूल में से अवैध रूप से क्वार्ट्ज पत्थर निकालने का मामला सामने आया है। पुनर्वास कालोनी के बीच ब्लाक स्थित सीबीईओ कार्यालय के ठीक पास स्थित गर्ल्स स्कूल में खुदाद कर क्वार्ट्ज पत्थर निकाले गए हैं। बताया जा रहा है कि स्कूल ने मैदान समतलीकरण के लिये प्रस्ताव लेकर ठेकेदार को काम सौंपा था। सागवाड़ा थाना अंतर्गत पुनर्वास कॉलोनी बी ब्लॉक में राजकीय कन्या विद्यालय के मैदान में समतलीकरण के नाम पर 2 माह से सफेद पत्थर निकालने का धंधा चलाया जा रहा है। आवासीय कॉलोनी के अंदर

ब्लास्टिंग के जरिए लगभग 10 से 15 फीट गहरा खाई बनाकर लगभग 5 से 8 ट्रक भरकर पत्थर यहां से निकाले गए हैं। राजकीय कन्या विद्यालय के प्रधानाध्यापकअरविंद पाटीदार से जब इस विषय में पूछा गया उन्होंने बताया कि मैदान को समतलीकरण करवाया जा रहा है। उन्होंने भी इस तरह की जानकारी मिली तो काम रूकवा दिया है। सूचना मिलने पर तहसीलदार डॉ. मयूर शर्मा ने मौके पर पटवारी विनय पूंजोत को मौका मुआयना के लिये भेजा?। थाना अधिकारी सुरेंद्र सोलंकी मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना कर जांच रिपोर्ट खनन विभाग को सौंपी गई है। शहर के मध्य चल रहे इस खनन से और ब्लास्टिंग से पास में शिक्षा विभाग के सरकारी भवन में दरारें आ चुकी हैं और आवासीय कॉलोनी होने की वजह से आसपास के लोग ब्लास्टिंग से परेशान है।

मांगों को लेकर जयपुर महापड़ाव में शामिल हुए नरेगा संविदा कार्मिक

डूंगरपुर। अपनी समायोजन या नियमतिकरण की मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन के 26 वे दिन जयपुर में मोहम्मद हाशिम शेख एवम् सूर्यप्रकाश के नेतृत्व में सैकड़ों नरेगा कार्मिक जयपुर पहुंच कर आंदोलन में भाग लिया । प्रदेश स्तर के आंदोलन में प्रदेश प्रतिनिधि महेश जोशी ने अपने संबोधन में सरकार से मांगों पर सकारात्मक पहल करने की मांग की प्रदेश के अशोक वैष्णव, दिनेश मीणा, कमलेंद्र, सुधाकर, ने भी अपनी मांगो को पूर्ण करवाने की मांग रखी। इस अवसर पर भूपेन्द्र सिंह, कुणाल शर्मा, बालकृष्ण, मनोज, सुरेश, राहुल, लोकेश, विक्रम, प्रहलाद सिंह, प्रदीप, अरुण, कमल राज, प्रेमनारायण, जीवराम, दीपेन पाटीदार,कमलेश ,महेंद्र, जतिन उपस्थित थे।

राज्यसभा सांसद के उदयविलास पैलेस से चंदन के 10 पेड़ चोरी

रात के अंधेरे में घुसे चोर पेड़ काटकर ले गए, चंदन तस्करों पर शक

डूंगरपुर। जिले के कोतवाली थानांतर्गत शहर में राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह के उदयविलास पैलेस से चंदन का पेड़ काटकर चोरी की वारदात हुई है। वारदात का पता दिन खुलने पर लगा। वही पैलेस की ओर से कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। चंदन चोरी का ये शक तस्करों पर जा रहा है, फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। डूंगरपुर जिले के कोतवाली थाने के थानाधिकारी दिलिपदान चारण ने बताया की दिनेश आमलिया निवासी जुड़ा हाल उदयविलास, खेमराज कटारा निवासी हिराता ओर संदीप कटारा निवासी भाटपुर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। तीनों ने बताया की से उदय विलास पैलेस में देखरेख का काम करते है। पैलेस में बेशकीमती चंदन के पेड़ भी है। आधी रात के बाद चोर उदयविलास पैलेस में घुसे। पैलेस से 10 चंदन के पेड़ काटकर चोर ले गए। जबकि 2 चंदन के पेड़ आधे अधूरे पड़े हुए है। घटना का पता सुबह के समय हुआ जब कार्मिक बगीचे की ओर गए तो चंदन के पेड़ की कटी हुई टहनियां पड़ी थी। वही चंदन के बड़े बड़े तने चोरी हो गए थे। दिनेश आमलिया समेत तीनों ने बताया की चोरी की सूचना तुरंत पैलेस के मैनेजर को दी।

घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली। पैलेस से 10 चंदन के पेड़ चोरी का केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। वही पैलेस की सुरक्षा के बीच से चंदन के पेड़ काटकर चोरी की घटना से सुरक्षा पर भी कई सवाल खड़े हो रहे है।

महिला का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में दोषी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा

एक लाख 10 हजार रुपए का लगाया जुर्माना, डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला

डूंगरपुर। जिले की पोक्सो कोर्ट ने महिला का अपरहण कर दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

इधर कोर्ट ने दोषी पर एक लाख 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोतवाली थाना क्षेत्र में 3 सितम्बर 2020 को घटना हुई थी।

डूंगरपुर जिले की पोक्सो कोर्ट के विशिष्ठ लोक अभियोजक योगेश जोशी ने बताया की मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। उन्होंने बताया की पीडिता 3 सितम्बर 2020 को अपने घर से बैंक सम्बन्धी कार्य होने के चलते डूंगरपुर शहर में पुराना बस स्टैंड स्थित बैंक ऑफ़ बड़ोदा आई थी। इस दौरान वह विजयगंज कोलोनी में नीम के पेड़ के पास खड़ी थी। तभी बोरी निवासी नाथू उर्फ़ नाथूलाल पिता शंकरलाल ओटो लेकर आया और उसे जबरदस्ती अपने ओटो में बैठा लिया। इसके बाद नाथूलाल पीडिता को ओटो मे बैठाकर आसेला मोड़ के पास एक सुनसान जगह पर ले गया। जहा पर आरोपी नाथूलाल ने पीडिता के साथ दुष्कर्म किया। वही इसके बाद वापस ओटो में बैठाकर नाथूलाल उसे कही और ले जाने लगा तो पीडिता चलते ओटो से कूद गई। इसके बाद पीडिता ने अपने पति को फोन किया और पूरी बीती सुनाते हुए अपने पास बुलाया। पीडिता अपने पति के साथ कोतवाली थाने पहुंची और बोरी निवासी नाथू उर्फ़ नाथूलाल पिता शंकरलाल के खिलाफ रिपोर्ट दी। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश की और उसे गिरफ्तार किया। इधर पुलिस ने मामले में अनुसन्धान पूरा करते हुए पोक्सो कोर्ट में चालान पेश किया। इसी मामले में आज पोक्सो कोर्ट डूंगरपुर ने अंतिम सुनवाई करते हुए आरोपी नाथू उर्फ़ नाथूलाल को दोषी करार दिया। वही कोर्ट ने दोषी नाथूलाल को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वही दोषी पर एक लाख 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

बेचने की नियत से नाबालिग का अपहरण के मामले में 3 दोषियों को 3 साल के कठोर कारावास की सजा

तीनों पर लगाया 15-15 हजार रुपए का जुर्माना, डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला

डूंगरपुर। जिले की पोक्सो कोर्ट ने नाबालिग को बेचने की नियत से अपहरण करने के मामले में दो महिला सहित 3 आरोपियों को दोषी करार देते हुए 3-3 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वही तीनो पर कोर्ट ने 15-15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। सदर थाने में 11 अक्टूबर 2019 को मामला दर्ज हुआ था।

डूंगरपुर जिले की पोक्सो कोर्ट के विशिष्ठ लोक अभियोजक योगेश जोशी ने बताया की जिले के सदर थाने में 11 अक्टूबर 2019 को पीडिता की माता ने रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में पीडिता की माँ ने बताया था की बडगी निवासी जीव उर्फ़ दिनेश, रेखा व लक्ष्मी तीनो जुलाई 2019 को उनके घर आये थे। इस दौरान तीनो मेरी बेटी को मजदूरी के लिए अपने साथ गुजरात ले गए थे। जहा पर लक्ष्मी व उसके पति दिनेश ने उसकी बेटी को अपने साथ कमरे में छिपा कर रखा है। उसकी बेटी से उनका कोई सम्पर्क नहीं हो पा रहा है। रिपोर्ट में बताया की एक दिन दिनेश के फोन से पीडिता ने अपने माँ को फोन करके सम्पर्क किया और पूरी बात बताई। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग को दस्तयाब किया। पुलिस पूछताछ में पीडिता ने बताया की लक्ष्मी व उसके पति दिनेश उसकी शादी अपने बेटे से शादी करवाना चाहते थे जिसके चलते करीब चार माह तक बंधक बनाकर रखा। जिस पर पुलिस ने रेखा, लक्ष्मी व दिनेश को गिरफ्तार किया।

वही पुलिस ने अनुसन्धान पूरा करने के बाद तीनो आरोपियों के खिलाफ पोक्सो कोर्ट में चालान पेश किया। इसी मामले में अंतिम सुनवाई करते हुए डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट ने तीनो आरोपियों को दोषी करार दिया। कोर्ट ने दोषी रेखा, लक्ष्मी व दिनेश को 3-3 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वही तीनो पर 15-15 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

सेवा भारती सागवाड़ा की संस्कृति सामान्य ज्ञान परीक्षा आयोजित

सागवाडा। सेवा भारती जिला सागवाड़ा द्वारा सभी सेवा प्रकल्प में छोटे छोटे भैया बहनों की प्रांत चित्तौड़ द्वारा आयोजित संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। सेवा भारती सागवाड़ा के 6 प्रखंडों में कुल 90 भैया बहनों ने प्रश्न पत्रों को हल किया। हरिजन बस्ती में प्रकल्प शिक्षिका पायल हरिजन, बॉसड़ बस्ती में सुमन हरिजन, वाल्मीकि बस्ती में लीला रावल, डबगर बस्ती में सपना सेवक द्वारा परीक्षाएं संपादित करवाई गई। सेवा भारती के जिला अध्यक्ष डॉ महेश शुक्ला, उपाध्यक्ष विमलेश द्विवेदी, गोपाल पंचाल, नगर सेवा प्रमुख व जिला मंत्री राजेश जोशी, नगर उपाध्यक्ष प्रद्युमन शाह व नगर मंत्री चिराग वैष्णव ने परीक्षाओं में सहयोग दिया।

पाटीदार समाज - मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए मिशन सिविल सर्विसेज जुलाई माह में प्रारम्भ होगा

कन्या विक्रय की बढ़ रही प्रवृत्ति समाज के लिए अभिशाप है यह तुरंत प्रभाव से बंद होनी चाहिए

सागवाड़ा। श्री गुजराती पाटीदार समाज प्रगति मंडल अपने समाज सुधार आंदोलन को लेकर भीलूड़ा चौखले में पहुंचा। ज्ञातव्य है कि प्रगति मंडल समाज सुधार आंदोलन के तहत अपने सातों चोखलों और क्षेत्रों में जा रहा है। पाड़वा, पादरा, सामलिया, नंदोड़ और दिवडा छोटा चौखला होते हुए आज भीलूड़ा चोखले में पहुंचा जहा प्रगति मंडल एवं भीलूड़ा चौखले में पड़ने वाले जेठाणा, कानपुर, सागवाड़ा, सेलोता, सेमलिया पंड्या और भीलूड़ा की सयुक्त बैठक प्रगति मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव पाड़वा के मुख्यातिथ्य में तथा जगदीश पाटीदार भीलूड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। विशिष्ट अतिथि विद्यानगर चेयरमैन डायालाल विकासनगर, ट्रस्ट मंडल अध्यक्ष प्रेमजी भाई करियाणा, मुख्य ट्रस्टी गोपाल भाई जसेला, प्रगति मंडल के जिला महामंत्री मोहनलाल वांदरवेड, युवा सेवा समिति संरक्षक रमेश चन्द्र पाड़वा, प्रगति मंडल वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष हरिशचन्द्र अंबाड़ा, ट्रस्टी गोकुल भाई नयागांव, देवीलाल नंदोड, रमणलाल दिवडा छोटा, अमरजी भाई, शिवराम पूंजपुर, मगनलाल झरियाणा थे। कांतिलाल कानपुर और वासुदेव जेठाणा ने स्वागत किया। बैठक के प्रारंभ में जिलाध्यक्ष वासुदेव पाड़वा ने प्रगति मंडल के समाज सुधार अभियान के दो ज्वलंत विषय कन्या विक्रय और उजड़ते घर के बारे में बताया। नाथूलाल जेठाना ने कहा कि समाज के आगेवान लोगों की कथनी और करनी में अंतर होने के कारण सामाजिक नियमों की पालना नहीं हो पा रही है। माधवजी सेलोता ने भीलूड़ा चौखले के स्व.मोगजी भाभा का समाज विकास में योगदान को बताते हुए कहा कि आज भीलुड़ा चौखले को उचित सम्मान न देकर नजरंदाज किया जा रहा है। गोकुल नयागांव ने समाज का सामाजिक ताना बाना बिगड़ने पर चिंता व्यक्त करते हुवें समाजजनों को संगठित होने का आव्हान किया। युवा सेवा समिति के संरक्षक रमेशचंद्र पाड़वा ने युवाओं से कहा की फैशन जरूर करें पर व्यसन से दूर रहें। प्रगति मंडल के उपाध्यक्ष हरिशचंद्र अंबाडा ने वक्ताओं द्वारा घाटा चौखले के नेतृत्व पर उठाए सवालों पर केशवजी जसेला, धनेश्वरजी घाटा और डायालालजी विकासनगर के योगदान का स्मरण कराते कहा कि घाटा चौखले ने हमेशा अच्छा नेतृत्व दिया है और आगे भी देगा। डायालाल विकासनगर ने कहा कि पाटीदार समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए विद्यानगर में मिशन सिविल सर्विसेज जुलाई माह में प्रारम्भ कर दिया जायेगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गोपाल भाई जसेला ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में कन्या विक्रय की बढ़ रही प्रवृत्ति समाज के लिए अभिशाप है यह तुरंत प्रभाव से बंद होनी चाहिए। बैठक में भीलूड़ा चौखले के पंचों ने सर्वसम्मति से निर्णय पारित किया की शादी शुदा लड़कियों को अपने पति को छोड़कर अन्यत्र दुसरे व्यक्ति के साथ घर बसाने पर पूर्णता प्रतिबंध तथा कन्या विक्रय होने पर समाज प्रीतिभोज घर विवाह स्वीकार नहीं करेगा। बैठक में प्रगति मंडल, ट्रस्ट मंडल, पेशनर समिति, युवा सेवा समिति तथा खेल समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन महेश पाटीदार जेठाणा ने और आभार वेलचन्द पाटीदार सागवाड़ा ने व्यक्त किया। प्रभुलाल सिलोही, वासुदेव गोवाडी, भगवतीलाल अंबाडा, जितेन्द्र सेलोता, विजय कानपुर, रमनलाल सागवाड़ा उपस्थित थे। बैठक के अंत में प्रस्तावित दोनों बिंदुओं की कड़ाई से पालना करने तथा समाज सुधार हेतु भीलूड़ा चौखले की सामाजिक समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष कचरू गोकलजी जेठाणा, सचिव कांतिलाल रतनजी कानपुर, संरक्षक जगदीश नाथू भीलूड़ा चयनित किए गए साथ ही विनोद मंगलजी, नाथू करुपा भीलूड़ा, गणेश लालजी, प्रवीण मंगलजी जेठाना, डायालाल जगदीश, नटवर शिवराम कानपुर, डायालाल प्रताप, गणेश हिरजी सागवाड़ा, वासुदेव नाथू, नरेश रावण सेलोता, गौतम वालजी, अमरजी मोगजी सेमलिया पंड्या को सदस्य मनोनित किया गया। मंडल के जिला महामंत्री मोहनलाल वांदरवेड ने बताया कि प्रगति मंडल एवं चौखला घाटा का गांव की बैठक 5 जून को घाटा का गांव के लक्ष्मीनारायण मंदिर चौक में आयोजित होगी।